DEPARTMENT OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH

Date: 09.02.2022

Webinar conducted by PU DLIS

The Department of Library and Information Science, Panjab University, Chandigarh, successfully organized webinar on "Digital Transition and Media & Information Literacy" today (i.e., February 09, 2022) in online mode, Dr. Shiy Kumar, Chairperson of the Department, initiated the Webinar welcoming the speaker and participants. Prof. Rupak Chakravarty, Co-coordinator of the Webinar, introduced the Resource Person and theme of the webinar. Prof. H.P.S. Kalra, from Department of Library and Information Science, Punjabi University, Patiala was Resource Person. He highlighted the importance of information in present era and emphasized that information handling has become easier with many ICTs now available to users. Users are now becoming 'prosumers', both producers and users of digital content. On the contrary, the digital age has also brought several challenges and disturbing phenomena in the context of privacy and security of data or information, monopolization, commercialization and commodification of knowledge and information. He stated that in order to overcome the challenges of digital transition, Media and Information Literacy (MIL) is the need of the hour. He explained that to use technology(ies) wisely, and to take the benefit of knowledge and information, we need to develop/enhance the capacity of people for independent learning and critical thinking through MIL skills. Today's webinar was attended by about 70 participants including many academicians from all over the country. Dr. Khushpreet Singh Brar, Co-coordinator of the webinar, presented vote of thanks.

News published in the newspapers:



DEPARTMENT OF PUBLIC RELATIONS, PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH

News Clippings

Dated:- 1 0 FEB 2022

Punjab Kesari

डिजिटल सामग्री के निर्माल और उपयोगकता दोनों ही बन रहे 'उपयोगकता' चेनों ही बन रहे 'उपयोगकता' चेनों हैं। बन रहे 'उपयोगकता' चेनों हैं। के लाहबेदी (सिंग से था) : चंनाव चूनलार्सिटी (भी जू.) की लाहबेदी (सिंग से था) : चंनाव चूनलार्सिटी (भी जू.) की लाहबेदी एकं उंग्लेमिशन आईश निक्षणा ने चूनलार की अनिलाहन भी कर्च 'डिजिटल रांकावण और मीडिया और पूजना साकरता' पर वींबनार का सफलतापूर्णक आधीजार किया। दिसागा के अववाद की हिंदा कुमार है ने लाई। और अपिरामिशन का स्वापण कर दिए एक क्या कुमार है ने लाई। और अपिरामिशन का स्वापण कर दिए एक क्या कुमार है ने लाई। और अपिरामिशन का स्वापण कर दिए एक क्या कुमार है ने लाई। उपयोग का सिंग के संस्थान की से वींवनार के संस्थान क्या का सिंग की से वींवनार के संस्थान का स्वापण कर की से वींवनार के संस्थान क्या का से वांवना की से वींवनार की से वांवनार की से से की से सहत्व की से अवंवनार की से वांवनार की से वींवनार की से वांवनार की से सावंवनार की से वांवनार की से वांवनार की से वांवनार की से वांवन

Aaj Samaj पीय में डिजिटल

संक्रमण और मीडिया और सूचना साक्षरता पर वेविनार पर वेविनार क्षेत्रीयहु प्रस्कारण और वृच्चा विद्यान विद

बच्चों को मीडिया लिटरेसी पढ़ानी होगी, ताकि वह गलत जानकारी को सही न मान लें

Web Session

पंजाब यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित हुए ऑनलाइन सेशन के दौरान मीडिया एंड इनफॉर्मेशन लिटरेसी पर बात हुई।

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

यह बदलता हुआ युग है। जितनी चीजें आसान हुई हैं, उतना ही उनको संभालना मुश्किल हो गया

है। वैसे भी अगर

सब कुछ हमारे

पास आसानी

से आने लगे तो

हम लापरवाह

हो जाते हैं



शिव कुमार और सावधानी

बरतना भूल जाते हैं। यह लापरवाही और कोई दुर्घटना न घटे, इसलिए स्टुडेंट्स के लिए पंजाब यूनिवर्सिटी के लाइब्रेरी और इनफॉर्मेशन साइंस डिपार्टमेंट की ओर से ऑनलाइन सेशन आयोजित किया गया। इसमें डिपार्टमेंट के चेयरपर्सन डॉ. शिव से बचकर निकल सकते हैं। आगे कुमार, प्रो. एचपीएस कालरा, प्रो. रूपक चक्रवर्ती, डॉ. खुशप्रीत सिंह ने इंटरनेट पर सूचना के प्रसार को वराड़ और कई स्टूडेंट्स शामिल बढ़ावा दिया है। पहले एक विद्यार्थी हुए। प्रो. एचपीएस कालरा ने कहा- इस समय किसी भी तरीके अध्यापक के पास आकर उसकी की जानकारी का बहुत महत्व है। समझता था। मगर अब बच्चे सीधे पलक झपकते हम इसे हासिल इंटरनेट पर तलाश करते हैं। ऐसे में कर लेते हैं। इसको संभालना भी आसान हो गया है। कंटेंट को यूजर हैं या फिर नहीं, इसका किसी को ही प्रोड्यूस करने लगे हैं। मगर इसमें मुश्किल यह आने लगी है कि हम बच्चों को इतना सक्षम बनाएं कि लोगों की जानकारी की सुरक्षा खतरे में आ गई है। आपकी जानकारी को कोई भी चुरा सकता है। इसलिए मीडिया एंड इनफॉर्मेशन लिटरेसी सभी को आनी लाजमी है। अगर यह आती हो तो हम इस डिजिटल



प्रो. एचपीएस कालरा

मीडिया साक्षरता

मीडिया साक्षरता शिक्षा का उद्देश्य मीडिया के प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना और मीडिया के इस्तेमाल और निर्माण दोनों के प्रति एक पॉजिटिव तरीका अपनाना है। मीडिया साक्षरता शिक्षा यानी लिटरेसी अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों में स्कूली पढ़ाई का हिस्सा है। डिजिटल प्लेटफार्म बढ़ने के साथ इसकी जरूरत और मांग अब भारत में भी बढ़ने लगी है।

चोरी के जमाने में संभलकर कदम रख सकते हैं और इन सब के बीच कहा - आधुनिक डिजिटल जमाने में कोई जिज्ञासा उठती थी तो वह वह सही जानकारी प्राप्त कर रहे अंदाजा नहीं। इसलिए जरूरी है कि वह खोजते हुए ही समझ जाए कि क्या गलत है और क्या सही। गलत और सही के लिए भी वह ठीक से जानकारी प्राप्त कर पाए, इसके लिए उन्हें मीडिया एंड इनफॉर्मेशन लिटरेसी को सीखना होगा।









